फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 243 प्रभात जयपुर, गुरुवार 6 अप्रेल , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Wahe Guruji Ka Khalsa Wahe Guruji Ki Fateh

"Is there anyone here who would lay down his life for his Guru and Dharam."

Physics: New Laws For The Flow Of Fluids

Popular Cake Recipes of All Time | There's always more cake to be tried & new recipes to be written

कर्नाटक के मु.मंत्री ने छक्का लगाया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। भाजपा का जहाँ तक प्रश्न है, उसके स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं लेकिन जनता को पार्टी के पक्ष में खींचने के काम में मोदी की मदद करने वाले फिल्म सुपर स्टार्स हैं। बुधवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने असंभव

- कन्नड़ फिल्म में सबसे लोकप्रिय कलाकार को भाजपा का प्रचार करने के लिये राजी किया।

प्रतीत हो रहे एक काम को कर दिखाया। उन्होंने भाजपा के पक्ष में प्रचार करने वाले स्टारों की सूची में कन्नड़ सुपर स्टार किचा सुदीप का नाम लिख दिया। यह सब इस अत्यन्त व्यस्त सुपर स्टार के साथ बोम्मई के निजी संबंधों के कारण ही हो सका है। जो एक अभिनेता, निदेशक और निर्माता तो हैं कि फिल्मों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

'राहुल गांधी में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी व यहां तक कि सोनिया गांधी के गुणों का पचासवां हिस्सा भी नहीं है'

गुलाम नबी आज़ाद ने इन्टरव्यू में यह भी खुलकर स्वीकार किया कि, उन्होंने राहुल गांधी के कारण कांग्रेस छोड़ी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। ''हां, मैंने राहुल गांधी की वजह से कांग्रेस छोड़ी थी?'' यह कहा गुलाम नबी आज़ाद ने जो 50 साल तक कांग्रेस में रहे।

अपनी आत्मकथा ''आज़ाद'' के विमोचन के अवसर पर गुलाम नबी आज़ाद ने खुलकर बातें की, खासकर कांग्रेस से 50 साल के रिश्ते पर। उन्होने माना कि कांग्रेस उनकी पहली व आखिरी ''मोहब्बत'' है और वंशत प्रतिशत एकदम खरे 24 कैरट कांग्रेसी हैं जबकि जो लोग कांग्रेस चला रहे हैं वे 18 कैरट भी नहीं है। राजदीप सरदेसाई जो आज़ाद का इंटरव्यू ले रहे थे, ने जब पूछा कि अगर सोनिया गांधी बुलाएंगी तो क्या वे जाएंगे, तो उनका जवाब था, अब उनके हाथ में कुछ नहीं है इसका अर्थ है कि अब पार्टी राहुल गांधी व उनके दरबारी चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के साथ संबंध सामान्य करने के लिए अब बहुत देर हो चुकी है। राहुल की कार्यशैली एक परिपक्व एक सतत राजनेता की नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी की तुलना इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी से की तथा कहा कि वे लोग जितने परिपक्व थे और उन्होने पार्टी और देश को चलाने के लिए जितना समय दिया था, राहुल उसका पचासवां हिस्सा भी नहीं हैं।

- आज़ाद ने साथ में यह भी स्वीकार किया कि, उनका पहला व अंतिम ''प्यार'' कांग्रेस ही थी।
- यह पूछे जाने पर कि, क्या वे कांग्रेस में लौट आयेंगे अगर, सोनिया गांधी ने उन्हें बुलाया तो, आजाद ने कहा, ''उनके हाथ में कुछ नहीं है अब।''
- राहुल गांधी पर ही फोकस करते हुए आज़ाद ने आगे यह कहा कि, राहुल गांधी से संबंध व रिश्ता बनाना संभव नहीं है, क्योंकि उनके काम करने की शैली एक पूर्णकालीन गंभीर राजनीतिज्ञ से एकदम भिन्न है।
- ''जिस तरह से 2013 में राहुल गांधी ने अध्यादेश को सार्वजनिक रूप से फाड़ा था वह गलत था तथा मंत्रिमण्डल ने उस कृत्य का कोई विरोध नहीं किया, बल्कि अध्यादेश को वापस लेने का निर्णय लिया, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण था।''
- ''मैं 50 साल की राजनीति में यह ही समझा कि, उस व्यक्ति में कोई स्वाभिमान व रीढ़ की हड्डी नहीं होनी चाहिये, जो कांग्रेस में सफलता चाहता है।''

आज़ाद ने कहा कि एक समय था जब प्रधानमंत्री तक वार्ता हेतु बुलाने के लिए विमान भेजा करते थे पर अब एक शहर में होने के बाद चर्चा तो दूर बात तक नहीं होती है।

उन्होंने कहा कि वे 50 साल कांग्रेस में रहे, इसमें उन्होने यह समझा है कि कांग्रेस में रहने के लिए स्वाभिमान व रीढ़ की हड्डी की जरुरत नहीं है।

आज़ाद ने नेताओं को दोषी हराने वाले 2013 के अध्यादेश को राहुल द्वारा फाड़ दिए जाने की भी आलोचना की और कहा कि अगर वह अध्यादेश पारित होता तो आज राहुल गांधी को यह समस्या नहीं झेलनी पड़ती।

आज़ाद ने कहा कि उस समय कैबिनेट, जिसमें वे खुद भी बतौर केन्द्रीय मंत्री शामिल थे, को राहुल की नहीं सुननी चाहिए थी क्योंकि राहुल कैबिनेट के सदस्य नहीं थे और राष्ट्रपति के अलावा कोई भी कैबिनेट के फैसलों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फ्रांस के राष्ट्रपति की चीन यात्रा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रेल। फ्रांस के राष्ट्रपति एमानुएल मैक्रॉं फिलहाल चीन दौरे पर हैं और उन्हें उम्मीद है कि रूस-यूक्रेन युद्ध की समाप्ति को लेकर चीन शांति का कोई मार्ग तलाश सकता है।

लेकिन फ्रांस की पहल को लेकर आलोचनाएं पहले ही शुरू हो गई हैं। लैटविया के विदेश मंत्री ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध में चीन मध्यस्थ नहीं बन सकता।

इसका कारण यह है कि विदेश नीति को लेकर चीन पहले ही एक श्वेत पत्र प्रस्तुत कर चुका है, जिसमें उसने

- उन्हें वहां कुछ उपलब्ध नहीं होगा, यूरोप व अमेरिका से नाराज़गी व दूरी के अलावा, पर आर्थिक लाभ की आशा ने शायद उन्हें इस बारे में अंधा बना दिया है।

यूक्रेन में तुरंत प्रभाव से युद्ध विराम की पैरवी की है, लेकिन उसमें रूस की यूक्रेन से वापसी के बारे में कोई उल्लेख नहीं है। इससे यह स्पष्ट हो गया कि इस प्रकरण में चीन की भावनाएं किसके साथ हैं, इसलिए चीन के प्रस्तावों की कैसी भी स्वीकारोक्ति को लेकर व्यापक विरोध है।

चीन ने यूक्रेन में रूस के आक्रमण की भर्त्सना भी नहीं की है और चीन के राष्ट्रपति ने इस युद्ध की शुरूआत से लेकर अब तक यूक्रेन के राष्ट्रपति से भी बात नहीं की है। इस बीच, चीन के राष्ट्रपति मॉस्को के अपने परम मित्र के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा ने नयी सोची-समझी रणनीति अपनायी है राहुल गांधी के बारे में

कांग्रेस के पुराने नेताओं, जैसे ज्योतिरादित्य सिंधिया, हेमन्त बिस्वा सरमा, गुलाम नबी आज़ाद को उतारा है, राहुल गांधी की प्रतिष्ठा को तार-तार करने के लिये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 अप्रैल। ऐसा प्रतीत होता है कि सत्तारूढ़ दल ने कांग्रेस तथा उसके नेता राहुल गांधी पर हमला बोलने की रणनीति को और ज्यादा तीखा तथा धारदार बनाते हुये, कांग्रेस छोड़कर गये गुलाम नबी आज़ाद ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा हिमान्ता बिस्वा सरमा जैसे नेताओं को मैदान में उतार दिया है ताकि वे अपनी पूर्व पार्टी की जमकर निन्दा कर सकें।

जहाँ सिंधिया ने आज अपनी पूर्व पार्टी पर प्रहार करते हुये कहा कि अब कांग्रेस में कोई विचारधारा नहीं बची है, सिवाय एक ''देशद्रोही'' के, जो भारत के खिलाफ काम कर रहा है। वहीं आज़ाद ने कहा कि किसी भी सीट पर कांग्रेस का कोई असर नहीं है तथा गांधी

- सिंधिया ने कहा कि, कोई आइडिऑलजी नहीं, उनका राजनीतिक सोच एक ''देशद्रोही, धोखेबाज'' का सोच है।
- आसाम के मु.मंत्री ने राहुल की राजनीतिक नैतिकता पर सवाल उठाये।
- गुलाम नबी ने राहुल गांधी की कार्यशैली को अपरिपक्व, व गंभीर राजनीतिक नेता के काम करने के तरीके से एकदम भिन्न बताया तथा कहा कि, वे राहुल से सलाह लेने व मशविरा करने में विश्वास नहीं करते।
- भाजपा ने नयी रणनीति इस लिये अपनायी, क्योंकि, यह महसूस किया गया कि, भाजपा के नेताओं द्वारा राहुल गांधी को भला बुरा कहने का असर नहीं हो रहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

G20 भारत 2023 INDIA | आज़ादी का अमृत महोत्सव | सत्यमेव जयते भारत सरकार

नारीशक्ति अब सशक्त
खुशहाल नारी, खुशहाल भारत

रसोई से दूर हुआ धुएं का जंजाल, स्वास्थ्य का रखा बेहतर ख्याल
राजस्थान में 70 लाख से अधिक निःशुल्क उज्ज्वला एलपीजी कनेक्शनों से महिलाओं की जीवन शैली में हुआ सुधार।

कठिनाइयों को दूर भगाया, महिलाओं को पहली बार सम्मान दिलाया
राजस्थान में स्वच्छ भारत मिशन के तहत बने लगभग 83 लाख शौचालय, महिलाओं के लिये सरल हुआ जीवन।

माँ की उचित देखभाल
प्रधानमंत्री मातृ-वंदना योजना से राजस्थान में 19 लाख से अधिक माताओं को मिली बेहतर देखभाल।

जीवन को बेहतर बनाया, सुविधा से मन मुस्कुराया
प्रधानमंत्री जल जीवन मिशन से राजस्थान में 36 लाख से अधिक घरों में नल से जल हुआ सुलभ।

उद्यम के हौसलों को मिले पंख
मुद्रा योजना से राजस्थान की 1 करोड़ से ज्यादा महिला उद्यमियों को मिला ₹38 हज़ार करोड़ से अधिक का ऋण।

हम मां भारती के बड़े सपनों, बड़ी आकांक्षाओं को साकार करने के लिये, बेटी के जन्म से लेकर जीवनचक्र की हर अवस्था में महिलाओं को सशक्त करने का बीड़ा उठा रहे हैं, इसके लिये योजनाएं बना रहे हैं, अभियान चला रहे हैं।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

CBC 22201/13/0003/2324